सुनील दा के निधन से एक युग का अवसान: विभूति नारायण राय

वर्धा दि. 23 अक्टूबर 2012- हिंदी के सुपरिचित उपन्यासकार तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय ने साहित्य अकादमी के अध्यक्ष व बांग्ला के शीर्ष साहित्यकार सुनील गंगोपाध्याय के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। सुनील गंगोपाध्याय का 23 अक्टूबर को उनके कोलकाता स्थित आवास पर तड़के दो बजे हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 24 अक्टूबर को होगा। विभूति नारायण राय ने एक शोक संदेश में कहा कि दो सौ पुस्तकों के लेखक सुनील दा के निधन से बांग्ला साहित्य में एक युग का अवसान हो गया है। उन्होंने कहा कि सुनील दा बांग्ला साहित्य के सुपर स्टार थे किंतु हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं में भी अनूदित होकर उनकी रचनाएं समादृत हुईं। श्री राय ने कहा कि 'देश' का संपादन कर तथा खुद के बूते 'कृतिवास' पत्रिका निकालकर उन्होंने साहित्यिक पत्रकारिता के नए मानदंड स्थापित किए। उन्होंने कहा कि सुनील दा जितने बड़े साहित्यकार थे, उतने ही बड़े मनुष्य।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी